>

Title: Need to make River Yamuna flowing through Delhi pollution free.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली): राजधानी दिल्ली से होकर गुजर रही यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण की अनदेखी यकीनन दुर्भाग्यपूर्ण है। यमुना का बढ़ता प्रदूषण न केवल वर्तमान में कई समस्याओं की वजह बन रहा है, अपितु यह भविष्य में बड़े खतरे की आहट भी है। यमुना नदी दिल्ली में पल्ला क्षेत्र में प्रवेश कर वजीराबाद बैराज पहुंचती है और यहां से यह 22 किमी. की दूरी तय कर दिल्ली के अंतिम छोर ओखला बैराज तक का सफर करती है। दिल्ली में यमुना का जलभरण क्षेत्र 2 से 3 किमी. है। यानी कभी इसी यमुना की चौड़ाई 2 से 3 किमी. रही होगी। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि वर्तमान में राजधानी के कई हिस्सों में यमुना एक नाले जैसी ही दिखाई देती है। यमुना के अपने पूरे बहाव क्षेत्र में सर्वाधिक गंदी दिल्ली के 22 किमी. के क्षेत्र में ही है। इसका प्रमुख कारण दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों का करीब 85 प्रतिशत कचरा यमुना में डाला जाता है। केवल दिल्ली का ही तीन चौथाई सीवरेज 22 नालों के जरिए यमुना में डाला जाता है और इसमें से अधिकतर से बिना शोधित किए गंदा पानी नदी में गिरा दिया जाता है। इसके परिणामस्वरूप यमुना दुनिया की सर्वाधिक प्रदूषित नदियों में से एक है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह राजधानी दिल्ली से गुजरने वाली यमुना को प्रदूषण रहित बनाए जाने के साथ-साथ उसके अस्तित्व को बचाने हेतु एक कारगर योजना बनाकर उसे शीघ्र क्रियान्वित किए जाने हेतु आवश्यक पहल करें।